i-NEXT PAGE 5

## आर्यभट्ट को पढ़ेंगे एलयू के स्टूडेंट्स

### कौटिल्य और भास्कराचार्य भी होंगे कोर्स का हिस्सा

lucknow@inext.co.in

**LUCKNOW(18 June):** लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र से लागू होने वाले चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम स्टूडेंट्स आर्यभट्ट, भास्कराचार्य और कौटिल्य जैसे विषय विशेषज्ञों के बारे में भी पढ़ेंगे. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों को अपने-अपने क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों की जानकारी पाठ शामिल करने के निर्देश दिए हैं.

**लागू करने की तैयारी**

लखनऊ यूनिवर्सिटी नई शिक्षा नीति के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम तैयार कर रहा है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि स्नातक स्तर पर भी नई शिक्षा नीति के निर्देशों को लागू करने की पूरी तैयारी चल रही है. सभी विभागों को सुझाव दिया है कि वे नए पाठ्यक्रमों में अपने विषय से संबंधी प्राचीन भारतीय विशेषज्ञों व पुरोधाओं की रचनाओं और सिद्धांतों की जानकारी को शामिल किया जाए.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

# अब हर विभाग पढ़ाएंगे प्राचीन भारतीय विशेषज्ञों की जीवनी

## लविवि : एनईपी के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में किया जाएगा शामिल

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत नए सत्र से जहां चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम लागू करने जा रहा है। वहीं, इसके साथ ही कई अन्य चीजों को भी शामिल कर रहा है। इसी क्रम में विवि ने निर्णय लिया है कि हर विभाग अपने विषय से जुड़े प्राचीन भारतीय विशेषज्ञों की जीवनी और सिद्धांत के बारे में भी विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों को यह सुझाव दिया है कि विभाग अपने नए पाठ्यक्रमों में अपने विषय से संबंधी प्राचीन भारतीय विशेषज्ञों व पुरोधाओं की रचनाओं और सिद्धांतों के साथ-साथ खुद उनके बारे में भी पढ़ाने का प्रबंध करेंगे। प्रो. राय ने कहा कि हमारे देश में हर विषय के पुरोधा हैं, जिनकी रचनाओं ने इन विषयों को आज की उनकी एकेडमिक एक्सीलेंस तक पहुंचाया है।

गणित में आर्यभट्ट एवं भौतिक विज्ञान में भास्कराचार्य तो राजनीति शास्त्र में कौटिल्य हैं, किंतु आज सीधे सिलेबस से पढ़ाई की शुरुआत होती है। नई शिक्षा नीति एक वैश्विक शिक्षा के साथ-साथ हमें अपने इतिहास और संस्कृति की तरफ देखने का भी प्रोत्साहन देती है। इसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को यह निर्देश दिया गया है कि आने वाले सत्र में लागू होने वाले चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में सभी विषय अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ के बारे में जानकारी पाठ्यक्रम में जरूर शामिल करेंगे।

### शिक्षकों-कर्मचारियों को मिलेगी ऑक्सीजन कन्संट्रेटर की सुविधा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों व कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर पूर्वांचल ग्रामीण विकास संस्थान तथा ह्यूमैनिटेरियन एड इंटरनेशनल के सहयोग से ऑक्सीजन कन्संट्रेटर की सुविधा उपलब्ध कराएगा। उक्त संस्थाओं द्वारा ऑक्सीजन बैंक की स्थापना की गई है। इसके लिए निर्धारित प्रारूप पर आवेदन करना होगा। संस्था पदाधिकारियों ने शुक्रवार को विवि अधिकारियों को इसके बारे जानकारी दी। साथ ही कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कर्मचारियों को हाइजीन किट का वितरण भी किया। इस अवसर पर प्रो. शीला मिश्रा, प्रो. राजीव पांडेय, पीजीवीएस सचिव डॉ. भानु आदि उपस्थित थे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

# लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक

**पहल**

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में जरूरतमंदों के लिए आक्सीजन बैंक की स्थापना की गई हैं। इसके लिए नम्बर भी जारी कर दिए हैं। आवश्यकता पड़ने पर दिए गए नम्बरों पर कॉल कर आक्सीजन कंसेन्ट्रेटर प्राप्त किया जा सकता है। विवि में गुरुवार को आक्सीजन कंसन्ट्रेटर बैंक के साथ ही 200 कर्मचारियों को हाईजीन किट भी वितरित की।

विवि के आक्सीजन कंसन्ट्रेटर बैंक में 20 कंसन्ट्रेटर जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध रहेंगे। कंसट्रेटर प्राप्त करने के लिए 50 हजार रुपए धनराशि गारंटी के रूप में या कोई पहचान वाला गारंटर देना होगा।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी व्यक्ति के लिए निःशुल्क कंसेन्ट्रेटर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के अभाव में कोविड में बहुत लोगों ने अपनों को खो दिया। इसको ध्यान मे रखकर आगे से ऑक्सीजन की पूर्ती के लिए उत्तर प्रदेश स्वैच्छिक संस्थाओ के सहयोग से निःशुल्क ऑक्सीजन कंसेन्ट्रेटर बैंक की स्थापना किया जा रहा है।

इसके लिए सांख्यिकी विभाग से अदिति कुमार को पंजीकरण एवं वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में प्रो शीला मिश्रा तथा डाक्टर विनोद सिंह कुल सचिव लखनऊ विश्वविद्यालय मौजूद रहे।

### इन नम्बरों पर करें सम्पर्क

- राघवेन्द्र सिंह: 9792533601
- सीएल बाजपेई: 8429771162
- देवेन्द्रनाथ पाण्डेय: 8840596580
- अदिति कुमारी: 7668404854
- डा भानु प्रताप: 9936033344

### विषय विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम में स्थान मिले

लखनऊ। नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि आने वाले सत्र में लागू होने वाले 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में सभी विभाग अपने-अपने विषय में क्षेत्र के विशेषज्ञ के बारे में पाठ शामिल करेंगे। नई शिक्षा नीति के संदर्भ में लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने सभी विभागों को यह सुझाव दिया है कि विभाग अपने नए पाठ्यक्रमों में अपने विषय से संबंधी प्राचीन भारतीय विशेषज्ञों व पुरोधाओं की रचनाओं और सिद्धांतों के साथ-साथ स्वयं उनके बारे में भी पढ़ाने का प्रबंध करेंगे।

JAGRAN CITY PAGE I

# नए स्नातक पाठ्यक्रम में विषय विशेषज्ञों के बारे में पढ़ेंगे छात्र

जागरण संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र से लागू होने वाले चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राएं आर्यभट्ट, भास्कराचार्य और कौटिल्य जैसे महान विषय विशेषज्ञों के बारे में भी पढ़ेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों को अपने-अपने क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों की जानकारी पाठ शामिल करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, लविवि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम तैयार कर रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि स्नातक स्तर पर भी नई शिक्षा नीति के निर्देशों को लागू करने की पूरी तैयारी चल रही है। सभी विभागों को यह सुझाव दिया है कि वे नए पाठ्यक्रमों में अपने विषय से संबंधी प्राचीन भारतीय विशेषज्ञों व पुरोधाओं की रचनाओं और सिद्धांतों के साथ-साथ स्वयं उनके बारे में भी पढ़ाने का प्रबंध करें। उन्होंने बताया कि हमारे देश में हर विषय के पुरोधा मिलेंगे, जिनकी रचनाओं ने इन विषयों को आज की उनकी एकेडमिक एक्सीलेंस तक पहुंचाया है।

PIONEER PAGE 3

# एलयू के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के सभी कोर्स में शामिल होंगे क्षेत्र विशेषज्ञ

- एलयू कुलपति ने सभी विभागों को दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि विभाग अपने नए पाठ्यक्रमों में अपने विषय से संबंधित प्राचीन भारतीय विशेषज्ञों व पुरोधाओं की रचनाओं और सिद्धांतों के साथ-साथ स्वयं उनके बारे में भी पढ़ाने का प्रबंध करेंगे।

विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि हमारे देश में हर विषय के पुरोधा व्यक्ति मिलेंगे। जिनकी रचनाओं ने इन विषयों को आज की उनकी एकेडमिक एक्सीलेंस तक पहुंचाया है। यदि भारतवर्ष ने गणित में आर्यभट्ट एवं भौतिक विज्ञान में भास्कराचार्य जैसे विद्वान को जन्म दिया है तो वही राजनीति शास्त्र में कौटिल्य को भी जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति एक वैश्विक शिक्षा के साथ साथ हमें अपने इतिहास और संस्कृति की तरफ देखने का भी प्रोत्साहन देती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को यह निर्देश दिया गया है कि आने वाले सत्र में लागू होने वाले 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में सभी विषय अपने अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ के बारे में पाठ शामिल करेंगे।

### लंबे इंतजार के बाद बीबीएयू खुद कराएगा प्रवेश परीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सत्र 2020-21 में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा को लेकर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय को एमएचआरडी की तरफ से जवाब न मिलने के बाद विवि प्रशासन ने खुद एंट्रेंस आयोजित करने का निर्णय लिया है। जबकि पूर्व में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने फैसला किया था कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में नए शैक्षिक सत्र 2021 22 के दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जून माह के अंत तक आवेदन आ जाएंगे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्णय के बाद कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कारण शैक्षिक सत्र के अस्त व्यस्त हो जाने के चलते संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर यूजीसी अभी तक कोई कार्यक्रम घोषित नहीं कर पाया है। जिसके कारण विवि प्रशासन ने दाखिले की प्रक्रिया में देरी को देखते हुए खुद परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। इससे पूर्व बीबीएयू प्रशासन स्नातक और स्नातकोत्तर सहित पीएचडी के दाखिले के लिए अप्रैल के प्रथम सप्ताह में आवेदन फार्म आमंत्रित करता था। लेकिन इस बार जून का आधा माह समाप्त होने को है लेकिन अभी तक प्रवेश प्रक्रिया शुरू नही हो पाई है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

# लविवि के 200 कर्मचारियों को मिली हाइजीन किट

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के 200 कर्मचारियों को एक निजी संस्थान द्वारा हाइजीन किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर आलोक कुमार राय ने आक्सिजन कंसेन्ट्रेटर वैक के वारे में जानकारी दी और वताया कि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी व्यक्ति के लिए निःशुल्क कंसेन्ट्रेटर उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आक्सिजन की पूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश स्वैछिक संस्थाओ के सहयोग से निःशुल्क आक्सिजन कंसेन्ट्रेटर वैक की स्थापना किया जा रहा है । उससे गरीव से गरीव व्यक्तिओं का सहयोग हो सकेगा, इसके लिए सांख्यिकी विभाग से एक जिम्मेदार व्यक्ति को पंजीकरण एवं वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी दी।

वहीं लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने लविवि के सभी विभागों को यह निर्देश दिया गया है कि आने वाले सत्र में लागू होने वाले 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में सभी विषय अपने अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ के वारे में पाठ शामिल करेंगे।

AMRIT VICHAR PAGE 3

# लविवि में बनाया गया ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक

अमृत विचार, लखनऊ

कर्मचारियों को हाईजीन किट बांटते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय। फोटो: अमृत विचार

लखनऊ विश्वविद्यालय में जरूरतमंदों के लिए आक्सीजन बैंक की स्थापना की गई हैं। इसके लिए नम्बर भी जारी कर दिए हैं। आवश्यकता पड़ने पर दिए गए नम्बरों पर कॉल कर आक्सीजन कंसेन्ट्रेटर लिया जा सकता है। विवि में शुक्रवार को आक्सीजन कंसन्ट्रेटर बैंक के साथ ही 200 कर्मचारियों को हाईजीन किट भी वितरित की। विवि के आक्सीजन कंसन्ट्रेटर बैंक में 20 कंसन्ट्रेटर जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध रहेंगे। कंसट्रेटर प्राप्त करने के लिए 50 हजार रुपये धनराशि गारंटी के रूप में या कोई पहचान वाला गारंटर देना होगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी व्यक्ति के लिए निःशुल्क कंसेन्ट्रेटर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के अभाव मे कोरोना महामारी में बहुत लोगों ने अपनों को खो दिया। इसको ध्यान में रखकर आगे से ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश स्वैच्छिक संस्थाओ के सहयोग से जो निःशुल्क ऑक्सीजन कंसेन्ट्रेटर बैंक की स्थापना किया जा रहा है। इसके लिए सांख्यिकी विभाग से अदिति कुमार को पंजीकरण और वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में प्रो. शीला मिश्रा व लविवि के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह मौजूद रहें। पूर्वांचल ग्रामीण विकास संस्थान और ह्यूमैनेटेरियन एंड इंटरनेशनल द्वारा आक्सीजन बैंक के पहल का उद्देश्य है कि अस्पतालों मे प्रवेश पाने मे असमर्थ मरीजों के घरेलू देखभाल और छोटे अस्पतालों/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों मे भर्ती कोरोना मरीजो के लिए आक्सीजन कंसेन्ट्रेटर के माध्यम से जीवन रक्षक सहायता प्रदान करना है।

# लविवि : जुलाई के अंत में परीक्षाएं कराने की तैयारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक और स्नातकोत्तर वार्षिक एवं सेमेस्टर अंतिम वर्ष की परीक्षाएं कराने की तैयारी शुरू कर दी है। स्नातक की परीक्षाएं जुलाई के अंतिम सप्ताह से शुरू कराने पर विचार किया जा रहा है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना का कहना है कि परीक्षाओं का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। (जासं)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

# लविवि में बनाया गया ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय में जरूरतमंदों के लिए आक्सीजन बैंक की स्थापना की गई हैं। इसके लिए नम्बर भी जारी कर दिए हैं। आवश्यकता पड़ने पर दिए गए नम्बरों पर कॉल कर आक्सीजन कंसेन्ट्रेटर प्राप्त किया जा सकता है। विवि में गुरुवार को आक्सीजन कंसन्ट्रेटर बैंक के साथ ही 200 कर्मचारियों को हाईजीन किट भी वितरित की। विवि के आक्सीजन कंसन्ट्रेटर बैंक में 20 कंसन्ट्रेटर जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध रहेंगे। कंसट्रेटर प्राप्त करने के लिए 50 हजार रुपए धनराशि गारंटी के रूप में या कोई पहचान वाला गारंटर देना होगा। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के अभाव में कोविड में बहुत लोगों ने अपनों को खो दिया। इसको ध्यान मे रखकर आगे से ऑक्सीजन की पूर्ती के लिए उत्तर प्रदेश स्वैच्छिक संस्थाओ के सहयोग से निःशुल्क ऑक्सीजन कंसेन्ट्रेटर बैंक की स्थापना किया जा रहा है। इसके लिए सांख्यिकी विभाग से अदिति कुमार को पंजीकरण एवं वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में प्रो शीला मिश्रा तथा डाक्टर विनोद सिंह कुल सचिव लखनऊ विश्वविद्यालय मौजूद रहे।

## विषय के विशेषज्ञों को पाठ्यक्रम में मिलेगा स्थान

लखनऊ। नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि आने वाले सत्र में लागू होने वाले 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में सभी विभाग अपने-अपने विषय में क्षेत्र के विशेषज्ञ के बारे में पाठ शामिल करेंगे। नई शिक्षा नीति के संदर्भ में लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी विभागों को यह सुझाव दिया है कि विभाग अपने नए पाठ्यक्रमों में अपने विषय से संबंधी प्राचीन भारतीय विशेषज्ञों व पुरोधाओं की रचनाओं और सिद्धांतों के साथ-साथ स्वयं उनके बारे में भी पढ़ाने का प्रबंध करेंगे। प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि हमारे देश में हर विषय के पुरोधा व्यक्ति मिलेंगे जिनकी रचनाओं ने इन विषयों को आज की एकेडमिक एक्सीलेंस तक पहुंचाया है।

| कंसट्रेटर प्राप्त करने के लिए इन नम्बरों पर करें सम्पर्क | देवेन्द्रनाथ पाण्डेय |
|---|---|
| राघवेन्द्र सिंह : 9792533601 | 8840596580 |
| सीएल० बाजपेई 8429771162 | अदिति कुमारी 7668404854 |
| | डॉ. भानु प्रताप मल्ल 9936033344 |

TOI PAGE 3

# LU gives 40-60% payment hike to guest faculty in UG & PG courses

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** Guest faculty teaching in Lucknow University's regular and self-finance undergraduate and postgraduate courses will be paid more now.

Around 100 such subject experts are guiding over 15,000 students of different departments in which teachers have retired or passed away, or in departments that do not have any sanctioned permanent posts.

The payment of subject experts has been increased by 40-60% from the next academic session. The move will not only help the university to meet the teachers' shortage but will also ensure that in departments where teachers have retired, experts take classes so that the quality of teaching is not compromised.

"We have subject experts mostly in arts and commerce faculty. In science, we take a professor of eminence under the University Grants Commission scheme. These are retired teachers of our own science departments who continue to teach even after retirement," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He added that amid the Covid-19 pandemic, when those not in full-time professions were hit financially, specialists in subjects should be supported with respectable honorarium.

Rai said that the payment had been increased for three reasons. First, to ensure that a decent amount is paid to teachers so they remain motivated and to attract new talents.

"Second, we have excellent subject experts at present who have been teaching sincerely over the years but their payment has not been increased. Lastly, it was to bring about uniformity as earlier, payment in every subject was different," he said.